

कोमल उत्तर से क्रोध ठण्डा हो जाता है, परन्तु कटु वचन से क्रोध भड़क उठता है
नीतिवचन 15:1 – एक कहावत की कहानी टेड हिल्डेब्रांट द्वारा चैटजीपीटी का उपयोग करके

सूरज ढल रहा था, शहर के क्षितिज पर नारंगी और लाल रंग की रोशनी फैल रही थी, डैनियल के रिव्यू मिरर में सूरज की रोशनी चमक रही थी, क्योंकि वह भीड़भाड़ वाले, भीड़भाड़ वाले फ्रीवे पर चल रहा था। उसे भीड़भाड़ वाले घंटों से नफरत थी, खासकर जब निर्माण कार्य के कारण यातायात और भी खराब हो जाता था। अंतहीन रुक-रुक कर चलना, हॉर्न की गड़गड़ाहट और तनाव जो हवा में एक जहरीले धुएं की तरह लटका हुआ लग रहा था। वह बस इतना चाहता था कि घर जाए, कुछ बचा हुआ खाना माइक्रोवेव करे और उस खराब दिन को भूल जाए जो उसने बिताया था।

एक काले रंग का पिकअप ट्रक उसके पीछे से तेज़ी से आया, कारों के बीच से गुज़रता हुआ, यहाँ तक कि खड़ी कारों को अवैध रूप से पास देने के लिए सड़क के किनारे का भी इस्तेमाल किया। डैनियल को अपने रियरव्यू मिरर में देखने का समय ही नहीं मिला था कि ट्रक उसकी लेन में घुस गया, और उसे इतनी नज़दीक से काट दिया कि उसे ज़ोर से ब्रेक लगाना पड़ा।

उसके सीने में गुस्सा भड़क उठा। अचानक, डैनियल ने अपना हॉर्न बजा दिया और दबी हुई आवाज़ में एक गाली दी। पिकअप के ड्राइवर ने ब्रेक चेक करते हुए उसका दिल जोर से धड़का, मानो विजयी भाव से कह रहा हो, "तुम्हारे चेहरे पर, दोस्त, अब मैं तुमसे आगे हूँ।" डैनियल को एक बार फिर रुकना पड़ा।

अगली लाइट पर डैनियल ट्रक ड्राइवर के पास रुका, जिसने अपनी खिड़की नीचे कर ली। वह एक मोटा आदमी था, जिसकी दाढ़ी घनी थी और आँखों में आग थी, उसने उस पर चिल्लाया, "क्या तुम्हें कोई समस्या है, यार? क्या तुम इसके बारे में कुछ करना चाहते हो?"

डैनियल की पहली प्रवृत्ति थी कि वह पलटवार करे, अपमान करे और उस आदमी के क्रोध को अपने क्रोध से मिलाए। लेकिन फिर - उसके विचारों में एक लहर की तरह - उसके दादा की आवाज़ उसकी यादों में गूँज उठी जब वह अपने भाई से लड़ता था: "एक नरम जवाब क्रोध को दूर कर देता है, डैनी।" वह रुका और एक गहरी साँस ली।

उस मोटे आदमी का चेहरा क्रोध से तना हुआ था, उसकी उंगलियाँ स्टीयरिंग व्हील पर सफेद पड़ी थीं, वह झगड़े के लिए तैयार था।

डैनियल ने अपनी खिड़की नीचे की और शांति से आवाज़ लगाई, "अरे - माफ़ करना अगर मैंने तुम्हें चौंका दिया। ट्रेफ़िक बहुत खराब है, है न?"

वह आदमी झिझका, अचंभित हो गया। उसकी आँखें चमक उठीं।

"मैं आप पर दबाव बनाने की कोशिश नहीं कर रहा था," डैनियल ने अपनी आवाज़ स्थिर रखते हुए कहा। "मैं बस बाकी लोगों की तरह आधी रात से पहले घर पहुँचने की कोशिश कर रहा था।"

लाइट बदल गई। कुछ देर तक ट्रक ड्राइवर कुछ नहीं बोला।

फिर उसने एक छोटा सा, अजीब सा सिर हिलाया और बुदबुदाया, "हाँ... तुम सही हो," और फिर इंजन को तेज किया और गाड़ी चला दी, इस बार थोड़ा कम लापरवाही से।

डैनियल ने साँस छोड़ी, उसकी छाती में गांठ ढीली हो गई। यातायात अभी भी रुक-रुक कर चल रहा था, शहर में अभी भी हमेशा की तरह तनाव था, लेकिन गुस्से का तूफ़ान टल गया था - इसलिए नहीं कि कोई जीत गया, बल्कि इसलिए कि उनमें से एक ने फैसला किया कि "एक नरम जवाब क्रोध को दूर कर देता है।" आज बहुत ज़्यादा गुस्सा था, उसने सोचा। नरम जवाब बेहतर विकल्प था, जिससे वह खुद से कुछ हद तक खुश था।

अगले निकास पर जाने और घर की ओर जाने वाली स्थानीय गली से गुजरने के बाद, डैनियल ने हल्के से मुस्कुराया। दादाजी की बुद्धिमान पुरानी कहावत ने फिर से वही किया, व्यस्त भीड़-भाड़ वाले राजमार्ग पर सड़क पर गुस्से के बीच फिर से पुष्टि की - **एक नरम जवाब वास्तव में क्रोध को दूर कर देता है, लेकिन एक कठोर शब्द क्रोध को भड़काता है (नीतिवचन 15:1)।**